

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

CVG-002

वैदिक गणित में प्रमाण-पत्र

(सी.वी.जी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

सी.वी.जी.-002 : वैदिक अंकगणित

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

नोट : इस प्रश्न-पत्र में दो खण्ड हैं। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं।

भाग—क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

1. किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए। $3 \times 20 = 60$
- (i) अंकगणित को परिभाषित करते हुए इसके प्रादुर्भाव का वर्णन कीजिए।
- (ii) 115 संख्या की 'एकाधिकेन पूर्वोण' सूत्र की पद्धति से वर्ग-प्रक्रिया का उल्लेख कीजिए।
- (iii) 'ऊर्ध्वतिर्यग्भ्याम्' सूत्र की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।

D-3158/CVG-002

P. T. O.

[2]

- (iv) 'शून्यं साम्यं समुच्चये' सूत्र की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।

भाग—ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

2. सभी चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 4×10=40
- (i) $10000 - 3765 =$ को 'निखिलं नवतः चरमं दशतः' सूत्र से हल कीजिए।
- (ii) आर्यभट्ट के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का उल्लेख कीजिए।
- (iii) ब्रह्मगुप्त आचार्य के अंकगणित अध्ययन क्षेत्र में योगदान का वर्णन कीजिए।
- (iv) वैदिक अंकगणित के क्षेत्र में आचार्य श्रीनिवास रामानुजन के योगदान का विवरण दीजिए।

x x x x x